Date: / /

गृहविज्ञान प्रसार शिक्षा का अर्थ एवं उसकी परिभाषा →

प्रसार को अंग्रेजी में 'एक्सटेंशन' कहा जाता है। एक्सटेंशन (Extension) लैटिन भाषा के शब्द (tensio) से बना है, जिसका अर्थ होता है। - विस्तारित करना अथवा प्रसारित करना तथा 'ex' का अर्थ होता है। बाहर की ओर एक्सटेंशन का पूर्ण शाब्दिक अर्थ हुआ - बाहर की ओर प्रसारित करना।

"एक्सटेंशन" शब्द का प्रयोग सर्वप्रथम सन् 1894 में ई. बी. वोरहीज (E.B. Vorhees) ने कृषि विज्ञान के प्रसार के संबन्ध में किया था। इसके बाद विभिन्न देशों में जहाँ-जहाँ प्रसार संबन्धी कार्यक्रम चलाए गए कृषि प्रसार (Agriculture Extension) ग्रामीण प्रसार (Rural Extension) प्रसार सेवा (Extension Service) प्रसार प्रक्रिया (Extension Process) प्रसार शिक्षा Extension Education) जैसे शब्दों का व्यवहार बारम्बार होने लगा ~~एक~~ एक्सटेंशन अथवा प्रसार शब्द का अर्थ किसी भी प्रकार के विकास से है।

Date: / /

गृहविज्ञान प्रसार शिक्षा एवं कृषि प्रसार शिक्षा में समानताएँ →

गृहविज्ञान शिक्षा का उद्भव एवं विकास कृषि प्रसार शिक्षा के साथ-2 हुआ। कृषि प्रसार शिक्षा के साथ गृहविज्ञान प्रसार शिक्षा को जोड़ने के परिणामस्वरूप इसके प्रसार में सुगमता हुई। कृषि विज्ञान एवं गृहविज्ञान विषय एक-दूसरे से सम्बन्धित अन्योन्याश्रित हैं। इनमें काफी समानताएँ हैं। ये समानताएँ निम्नलिखित हैं—

1. शिक्षा के महत्व में समानता →

भारत जैसे कृषि-प्रधान देश के निमित्त कृषि-विज्ञान की शिक्षा का महत्वपूर्ण स्थान है। गाँवों के अधिकांश लोगों की आजीविका / कृषि पर निर्भर है।

2. प्रसार की आवश्यकता में समानता →

कृषि-विज्ञान के सदृश ही गृहविज्ञान शिक्षा का प्रसार भी आवश्यक है। तभी प्रत्येक कृषक, परिवार सुखी स्वस्थ एवं सम्पन्न रह सकता है चूँकि ये दोनों प्रसार की शिक्षा सीमित जनसमुदाय को ही उपलब्ध है अतएव इनका प्रसार अवश्य होना चाहिए।